INTERACTIVE COMMUNICATION OF HON'BLE PRIME MINISTER GOVT OF INDIA WITH THE FARMERS OF SHAHJAHANPUR (U.P.) ON 20.6.2018 THROUGH NIC – SHAHJAHANPUR (U.P.).

Hon'ble Prime Minister Govt. of Indira Shri Narendra Modi interactive communicated with the farmers of Shahjahanpur (U.P.) on 20.6.2018. He was very much impressed with the farmers and ask to all farmers of India to implement method which is adopted by Farmers of Shahjahanpur (U.P.). Whole session is technically coordinated by NIC – Shahjahanpur (U.P.) with all senior officers of NIC.

Rajeev Kumar
T.D./D.I.O.
NIC –Shahjahanpur(U.P.)

पीएम ने किसानों से की मन की बात

सरकार के प्रयासों से बढ़ रही है अन्नदाता की आय

नई दिल्ली, ब्यूरो/आइएएनएस : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि क्षेत्र में केंद्र सरकार के उत्कृष्ट योगदान के लिए नमो ऐप के जरिये 600 जिलों के किसानों से उनकी उपलब्धियों पर बातचीत की। इस मौके पर मोदी ने कहा कि सरकार किसानों की आय सन 2022 तक दोगुनी करने के लिए काम कर रही है। इसी के लिए बजट में कृषि क्षेत्र को दोगुनी रकम यानी 2.12 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया।

अपनी लोकप्रिय योजनाओं के लाभार्थी किसानों से बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पूरी आत्मीयता से बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब मैंने किसानों की आय दोगुनी करने की बात की तो कई लोगों ने इसका मजाक उड़ाया और इसे असंभव व कठिन बताया। उन्होंने निराशाजनक माहौल बना दिया। लेकिन हमने किसानों पर पूरा भरोसा जताया। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकारी नीतियों में चार दुश्वारियों को दूर किया जा रहा है। पहला-खेती की लागत को कम करना, दूसरा-फसल की उचित कीमत देना, तीसरा-उपज के बाद होने वाले नुकसानों से बचाव और चौथा-किसानों की आय के वैकल्पिक साधन पैदा करना है। उन्होंने कहा कि सरकार गहन और संतुलित नीतियों के जरिए उच्च गुणवत्ता के बीज, उर्वरक, जल और बिजली उपलब्ध कराने के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए बाजार तैयार कर रही है।

खाद्यान्न की बंपर पैदावार: प्रधानमंत्री ने पिछले चार सालों में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास के चलते देश में खाद्यान्न की उपज अब तक की सबसे अधिक हो गई है। वर्ष 2017-18 में 28 करोड़ टन पैदावार हुई है। जबकि वर्ष 2010-14 में 25 करोड़ टन उपज का औसत उत्पादन ही हुआ था। इतना ही नहीं फलों, सब्जियों और दूध का भी बंपर उत्पादन हुआ है। दालों के उत्पादन में औसत 10.5 फीसद की वृद्धि हुई है। मछली और दूध के उत्पादन में भी क्रमशः 26 और 24 फीसद का इजाफा हुआ है। जबकि अंडे का उत्पादन 25 फीसद बढ़ा है। मोदी ने कहा कि हमारी पूरी कोशिश है कि किसानों को कृषि के सभी चरणों में सहायता मिले। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत मोदी ने बताया कि हर खेत में पानी पहुंचे इसके लिए करीब सौ परियोजनाएं चलाई जा रही हैं।

किसानों की आय » संपादकीय

सफलता

- योजनाओं के लाभार्थी किसानों से वीडियो कांफ्रेंसिंग से रूबरू हुए
- 2022 तक किसानों की दोगुनी आय के लिए कृषि बजट दोगुना

शाहजहांपुर के दो किसानों के मुरीद हुए प्रधानमंत्री मोदी

राजविंदर सिंह व फहीमुज्जमा •

जासं, शाहजहांपुर : ग्राम शाहबाजनगर निवासी कृषक राजविंदर सिंह व निगोही के फहीमुज्जमा खां प्रधानमंत्री से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये रूबरू हुए। किसानों ने खेती के तौर तरीके में बदलाव से तीन गुनी तक पैदावार के तरीके पीएम को बताए। इससे पीएम मोदी काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि किसान अपने अड़ोस-पड़ोस में बताएं कि माइक्रो इरीगेशन से पैदावार बढ़ती है और पानी की बचत होती है।

विस्तृत खबर » पेज 03

उप्र की शान बने शाहजहांपुर के दो किसान, प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग से प्रगतिशील कृषक राजविंदर व फहीमुज्जमा से हुए मुखातिब

मोदी ने समझा तीन गुना पैदावार का मंत्र

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर : जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर : सप्त नदियों की गोद में बसे शाहजहांपुर की माटी और मेहनतकश प्रगतिशील किसानों की कहानी बुधवार को पूरे देश ने सुनी। मौका था किसान की बात- पीएम के साथ कार्यक्रम का...। उप्र से प्रतिनिधि किसान के रूप में चुने गए शाहजहांपुर के गांव शहबाजनगर निवासी कृषक राजविंदर सिंह और निगोही के फहीमउज्जमा ने खेती के तौर तरीके में बदलाव से तीन गुनी पैदावार के तरीके साझा किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों किसान का हौसला देख खासे प्रभावित हुए। इस दौरान उन्होंने भी प्रगति के टिप्स दिए। खासकर माइक्रो इरीगेशन पर विशेष जोर रहा। साढ़े नौ बजे शुरू हुए कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले महाराष्ट्र और अंत में साढ़े दस बजे के करीब शाहजहांपुर के किसान राजविंदर सिंह और फहीमउज्जा से बात की।

लागत बढ़ती, लेकिन आय स्थिर नहीं रहती : परिचय देने के बाद किसान राजविंदर सिंह ने पीएम मोदी को प्रगति की कहानी सुनाई। करीब 2.11 मिनट मोदी से मुखातिब रहे राजविंदर ने ड्रिप इरीगेशन व मल्चिंग विधि से तरबूज, खरबूजा की खेती से तीन गुनी कमाई के कमाल को बताया। मोदी ने राजविंदर के प्रयास की सराहना की। गोभी का जिक्र आने पर मोदी बोले, गोभी तो बड़ी-बड़ी होगी। राजविंदर ने कहा जी, गेहूं, धान की खेती को छोड़ दिया है। इसी बीच राजविंदर ने समस्या भी रखी। बताया कि फसल की लागत तो हर साल बढ़ती है, लेकिन आय स्थिर नहीं रहती। इस पर प्रधानमंत्री का जवाब था-इसीलिए तो इस तरह के प्रयास कर रहा हूं...। इसके बाद निगोही के फहीमउज्जमा से पीएम मुखातिब हुए।

प्रगतिशील किसान फहीमउज्जमा व राजविंदर सिंह • जागरण

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पीएम से बात करते किसान रजविंदर, फहीमउज्जमा व अन्य •

मुझे विश्वास है खान साहब अपने अड़ोस-पड़ोस को सिखा दोगे...

गुजराज बाइब्रेंट के जिक्र से फहीमउज्जमा से प्रभावित पीएम मोदी बोले, मुझे विश्वास है खान साहब आप अपने अड़ोस- पड़ोस के किसानों को भी सिखा दोगे। जिन्हें यह लगता है फलड इरीगेशन के बिना गन्ने की खेती हो ही नहीं सकती, उन्हें समझाना चाहिए कि माइक्रो इरीगेशन से पैदावार बढ़ती है, पानी बचता है। शुगर प्रतिशत भी बढ़ता है। ज्यादा कमाई देता है। अंत में उन्होंने दोनों किसानों को बधाई दी।

आइसीएआर निदेशक ने देखे खेत

वीसी के बाद आइसीएआर निदेशक यूएस गौतम ने राजविंदर सिंह के गांव पहुंचकर मल्चिंग व ड्रिप इरीगेशन विधि देखी। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. केएन सिंह व डा.नरेंद्र प्रसाद मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री से बात कर खिले प्रगतिशील किसानों के चेहरे

आयोजित की गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को देश के आठ राज्यों के प्रगतिशील किसानों से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए रूबरू हुए। शाहजहांपुर के शहवाजनगर के किसान राजविंदर सिंह और उदारा के फहीम उज्जमा खान से भी पीएम ने सीधी बात की। राजविंदर सिंह ने सब्जी और पालेजी फसल का उत्पादन बढ़ाने के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने मल्चिंग और ड्रिप विधि से सिंचाई कर लागत में कमी के साथ उत्पादन में इजाफा कर आमदनी को बढ़ाया। फहीम उज्जमा खान ने बताया ट्रैंच विधि से गन्ना के साथ दलहन, तिलहन

बात करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

और सब्जियों की खेती कर आमदनी दोगुनी करने के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने दोनों किसानों की प्रशंसा करते हुए अन्य किसानों से भी इस तरह खेती करने का आह्वान किया।

जलालाबाद में केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कृष्णा राज समेत 350 किसान रहे। प्रधानमंत्री और किसानों की लाइव टेलीकॉस्ट के जरिए सीधी वार्ता में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, अटारी-कानपुर के निदेशक डॉ. यूएस गौतम और कृषि विज्ञान केंद्र शाहजहांपुर के अध्यक्ष डॉ. एलबी सिंह की विशेष भूमिका रही। इधर, कांट में कृषि वैज्ञानिक डॉ. एनपी गुप्ता, डॉ. केएन सिंह, एसडीएम वैभव शर्मा के अलावा मंत्री प्रतिनिधि नीरज पाठक, ब्लॉक प्रमुख राजाराम यादव, भाजपा के नगर अध्यक्ष कृष्ण कुमार मंगलम आदि मौजूद रहे।

चार जिलों पर भारी पड़े शाहजहांपुर के किसान

परीक्षण के बाद चयनित हुए शाहजहांपुर के दो प्रगतिशील किसान

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर : खाद्यान्न उत्पादन, गेहूं धान की खरीद में प्रदेश में अव्वल शाहजहांपुर किसान की बात पीएम के साथ कार्यक्रम में यूपी का शहंशाह बन गया है। जनपद के किसानों ने चित्रकूट, मुजफ्फरनगर, प्रतापगढ़ तथा सूबे की राजधानी लखनऊ के किसानों को मात देकर पीएम से वार्ता का मुकाबला जीत लिया, वह भी एकतरफा। दरअसल आइसीएआर ने पीएम से वार्ता के लिए पहले चार जिले चुने, इनमें शाहजहांपुर का नाम नहीं था। लेकिन कृषि कल्याण मंत्री कृष्णाराज के प्रयास व जनपद की साख के बूते शाहजहांपुर के किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने पीएम मोदी से वार्ता के लिए हरी झंडी दे दी।

जल संरक्षण के साथ आय में इजाफा पर सलेक्ट हुए राजविंदर : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने शाहजहांपुर को अंतिम चरण में सलेक्ट किया। दरअसल प्रथम चरण में मुजफ्फरनगर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, लखनऊ के किसानो के नाम मांगे गए थे। कृषि कल्याण मंत्री कृष्णाराज के हस्तक्षेप पर खाद्यान्न उत्पादन में सूबे का शहंशाह शाहजहांपुर शामिल हो गया। आइसीएआर की मेल मिलने के बाद कृषि विज्ञान केंद्र ने ड्रिप व मल्चिंग के साथ खरबूजा तरबूज की खेती से प्रति एकड़ तीन लाख की पैदावार करने वाले राजविंदर सिंह को चुना। आय में इजाफा के साथ जल संरक्षण का सरोकार देख पीएमओ ने भी वार्ता को मुहर लगा दी। इसी तरह फहीमुज्जमा की गन्ने की सहफसली तकनीक पीएमओ को भा गई।

बढ़ा गौरव

- **आइसीएआर ने पीएम मोदी से वार्ता के लिए प्रतापगढ़, चित्रकूट समेत चार जिलों से मांगे थे किसानों के नाम**
- **पीएमओ ने परीक्षण के बाद शाहजहांपुर के प्रगतिशील कृषक राजविंदर सिंह और फहीमुज्जमा के नाम पर लगाई मुहर**

19 को कृषि मंत्रालय ने किया था वार्ता का रिहर्सल

पीएम मोदी से वार्ता कराने के लिए कृषि मंत्रालय ने 19 जून को रिहर्सल किया। जलालाबाद राउटर की बेहतर सेवा देख पहले वहां ट्रायल किया गया। फेल होने पर 19 को एनआइसी में पैना के किसान जयवीर सिंह से मंत्रालय ने बात कर कनेक्टिविटी चेक की। इसके बाद बीस जून को कृषक राजविंदर सिंह व फहीमुज्जमा खान से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वार्ता की।